बिल्वाष्टकम्

Bilvashtakam – संस्कृत, हिंदी अर्थ सहित

॥ अथ श्रीबिल्वाष्टकम् ॥

त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रियायुधम् ।
त्रिजन्मपापसंहारं एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥१ ॥

अर्थ: तीन पत्तियों वाला यह बेलपत्र तीन गुणों (सत्त्व, रज, तम) का रूप है, यह शिव के तीन नेत्रों और उनके तीन नोक वाले त्रिशूल जैसा है। तीन जन्मों के पापों को नष्ट करने वाला यह एक बेलपत्र मैं भगवान शिव को अर्पित करता हूँ।

त्रिशाखैर्बिल्वपत्रैश्च अच्छिद्रैः कोमलैः शुभैः ।
तव पूजां करिष्यामि एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥२ ॥

अर्थ: हे महादेव! तीन शाखाओं वाले, बिना कटे-फटे, कोमल और शुभ बेलपत्रों से मैं आपकी पूजा करूँगा। यह एक बेलपत्र आपको अर्पित है।

दर्शनं बिल्ववृक्षस्य स्पर्शनं पापनाशनम् ।
अघोरपापसंहारं एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥३ ॥

अर्थ: बेल के वृक्ष का दर्शन और उसका स्पर्श भी पापों का नाश करने वाला माना गया है। बड़े से बड़े पाप को मिटाने वाला यह एक बेलपत्र शिव को अर्पित है।

सालग्रामेषु विप्रेषु तटाके वनकूपयोः ।
यज्ञकोटिसहस्राणां एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥४ ॥

अर्थ: शालिग्राम की पूजा, विद्वान ब्राह्मणों की सेवा, तालाब, वन और कुएँ बनवाने जैसे पुण्य कार्यों और हज़ारों-करोड़ों यज्ञों का जो फल है, वह शिव को अर्पित एक बेलपत्र से मिलता है, ऐसी मान्यता है।

दन्तिकोटिसहस्रेषु अश्वमेधशतानि च ।
कोटिकन्याप्रदानेन एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥५ ॥

अर्थ: हज़ारों-करोड़ों हाथियों के दान, सैकड़ों अश्वमेध यज्ञों और करोड़ों कन्यादानों के पुण्य के समान फल शिव को अर्पित एक बेलपत्र से मिलता है।

एकं च बिल्वपत्रैश्च कोटियज्ञफलं लभेत् ।
महादेवैश्च पूजार्थं एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥६ ॥

अर्थ: महादेव की पूजा के लिए चढ़ाए गए केवल एक बेलपत्र से भी करोड़ों यज्ञों का फल प्राप्त होता है। इसलिए यह एक बेलपत्र शिव को अर्पित है।

chalisa-pdf.com

काशीक्षेत्रे निवासं च कालभैरवदर्शनम् ।
गयाप्रयागमे दृष्ट्वा एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥७ ॥

अर्थ: काशी क्षेत्र में निवास करने, काल भैरव के दर्शन करने और गया तथा प्रयाग तीर्थ के दर्शन का जो पुण्य है, वह शिव को एक बेलपत्र अर्पित करने से मिलता है।

उमया सह देवेशं वाहनं नन्दिशङ्करम् ।
मुच्यते सर्वपापेभ्यो एकबिल्वं शिवार्पितम् ॥८ ॥

अर्थ: माता उमा (पार्वती) के साथ विराजमान देवों के देव शंकर और उनके वाहन नंदी की पूजा में जो भक्त एक बेलपत्र अर्पित करता है, वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है।

॥ इति श्रीबिल्वाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

chalisa-pdf.com

Bilvashtakam Lyrics in English

Tridalam trigunakaram trinetram cha triyayudham
Trijanma-papa-samharam eka-bilvam shivarpitam ||1||

Trishakhair-bilva-patraish-cha acchidraih komalaih shubhaih
Tava pujam karishyami eka-bilvam shivarpitam ||2||

Darshanam bilva-vrikshasya sparshanam papa-nashanam
Aghora-papa-samharam eka-bilvam shivarpitam ||3||

Salagrameshu vipreshu tatake vana-kupayoh
Yajna-koti-sahasranam eka-bilvam shivarpitam ||4||

Danti-koti-sahasreshu ashvamedha-shatani cha
Koti-kanya-pradanena eka-bilvam shivarpitam ||5||

Ekam cha bilva-patraish-cha koti-yajna-phalam labhet
Mahadevaish-cha pujartham eka-bilvam shivarpitam ||6||

Kashi-kshetre nivasam cha kalabhairava-darshanam
Gaya-prayagame drishtva eka-bilvam shivarpitam ||7||

Umaya saha devesham vahanam nandi-shankaram
Muchyate sarva-papebhyo eka-bilvam shivarpitam ||8||

और भी चालीसा, आरती व स्तोत्र PDF के लिए देखें: www.chalisa-pdf.com